हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, मंगलवार, 9 सितंबर 2025

तापमान

अधिकतम 35 .1 डिग्री
न्यूनतम 23 .8 डिग्री

11 एमडीयू कुलपति से मिलीं वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ...

12 महम ड्रेन पर तीन दिन से बंद पड़ी हैं पानी ...

बिजली चोरी को रोकने के लिए अभियान लगातार जारी, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मारे जा रहे छापे

बिजली निगम की टीम ने 20 महीने में पकड़ी 1.61 करोड़ की चोरी, 4 लाख रुपये की वसूली

नीरज वर्मा ▶▶ रोहतक

बिजली चोरी को रोकने के लिए बिजली निगम की टीम ने विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत विभिन्न इलाकों में औचक निरीक्षण किए गए और कई जगहों पर बिजली चोरी के मामले सामने आए। निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान टीम ने 744 स्थानों पर छापेमारी करके करीब 1 करोड़ 61 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई, जबकि 4 लाख रुपये की राशि मौके पर वसूली गई। अभियान के दौरान निगम की टीम के साथ पुलिस बल भी मौजूद था, ताकि जांच में किसी तरह की बाधा न आए और उपद्रव जैसी स्थिति पैदा न हो। अधिकारियों ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं पर चोरी का आरोप साबित हुआ है, उनके खिलाफ न केवल जुर्माना लगाया गया है, बल्कि कई मामलों में मुकदमे भी दर्ज करवाए गए हैं।

रात में भी छापे

बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी न केवल राजस्व की हानि है बल्कि यह अपराध भी है। चोरी की वजह से ईमानदार उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। बिजली चोरी रोकने के लिए निगम ने विशेष टीमें बनाई हैं, जो समय-समय पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में औचक निरीक्षण करती हैं। कई मामलों में रात के समय भी छापेमारी की गई है।

उपकरणों की मदद

टीम आधुनिक उपकरणों की मदद से बिजली चोरी के तरीकों की पहचान करती है। जिन उपभोक्ताओं के मीटर से छेड़छाड़ की शिकायत मिलती है, वहां विशेष तौर पर जांच की जाती है। इसके अलावा ट्रांसफार्मरों और लाइनों से सीधे कनेक्शन लेने वालों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाती है। कई बार उपभोक्ता तार डालकर सीधा कनेक्शन ले लेते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है।

आम जनता से अपील

निगम अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि बिजली चोरी जैसे अपराध से दूर रहें और यदि कहीं चोरी की जानकारी हो तो तुरंत निगम को सूचित करें। उन्होंने कहा कि चोरी की सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा।

प्रशासन का सहयोग

अभियान के दौरान पुलिस-प्रशासन का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा। चेकिंग के समय पुलिस बल मौजूद रहने से टीम को सुरक्षा मिलती है और उपभोक्ता किसी तरह की दबंगई नहीं दिखा पाते। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी इस तरह के संयुक्त अभियान चलते रहेंगे।

अभियान आगे भी जारी रहेगा

बिजली निगम ने साफ कर दिया है कि अभियान सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है। आने वाले महीनों में इसे और तेज किया जाएगा। पकड़े गए उपभोक्ताओं से न केवल जुर्माना वसूला जाएगा बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। -रामेंद्र मलिक, एक्सईएन, बिजली निगम, रोहतक

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर सुबह 9 बजे से रक्तदान शिविर
- मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक
- बिजली निगम के कर्मचारियों का प्रदर्शन
- पावर हाउस स्थित बिजली निगम में 11 से 1 बजे तक खुलादरबार

बिजली कट

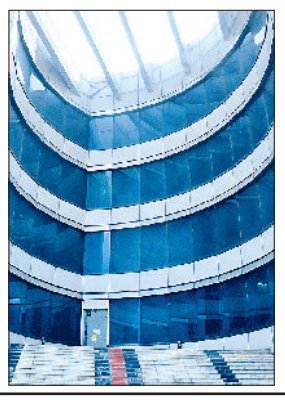

- सुबह 9.30 से 12.30 बजे तक, राजीव विहार, रामराज नगर, नासिर ट्राला वाला
- सुबह 9:30 से 11:00 तक, ऑफिसर कॉलोनी , रिवेन्यू कॉलोनी बिजली बाधित रहेगी।

खबर संक्षेप

मदवि: सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने मई 2025 में आयोजित एमएससी कंप्यूटर साइंस एनईपी दूसरे सेमेस्टर फ्रेश तथा एमएससी कंप्यूटर साइंस-डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग एनईपी के दूसरे सेमेस्टर फ्रेश, एमए अंग्रेजी डीडीई के दूसरे व चौथे सेमेस्टर की फुल व री-अपीयर तथा तीसरे सेमेस्टर की री-अपीयर, ब्रिज कोर्स टू रेगुलर एमसीए के प्रथम सेमेस्टर की री-अपीयर, एमपीएड दूसरे सेमेस्टर फ्रेश की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

युवक को अवैध शराब सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने युवक को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। आर्य नगर थाना प्रभारी बिजेंद्र ने बताया कि युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान ललित निवासी गोहाना अड्डा के रुप में हुई। नियमानुसार तलाशी लेने पर युवक के पास से 38 बोतल शराब बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

मोबाइल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी की वारदात में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। शिवाजी कॉलोनी थाना प्रभारी राकेश सैनी ने बताया कि काट मंडी निवासी भारती की शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 27 अप्रैल को रात के समय अज्ञात युवक ने घर में घुसकर भारती के दो मोबाइल फोन चोरी कर मौके से फरार हो गया।

अब सुधरेंगे शहर के हालात: डीसी ने जल घरों व बूस्टिंग स्टेशनों का किया निरीक्षण

पेयजल के लिए 250 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर में गंदे पानी की समस्या और पेयजल आपूर्ति न होने की समस्याओं का जल्द ही समाधान हो सकता है। सरकार ने पेयजल आपूर्ति के लिए 250 करोड़ से भी अधिक की तीन परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं पर जल्द कार्य शुरू हो जाएगा। 210 करोड़ की परियोजना से गांव पहरावर, कन्हेली, बलियाणा, बोहर, सुनारिया खुर्द, सुनारिया कलां व खेड़ी साध आदि को जल आपूर्ति करने वाले जलघर की क्षमता को बढ़ाया जाएगा और मरम्मत का कार्य भी किया जाएगा। इसके अलावा जलघर को सीधे जेएलएन से जोड़ा जाएगा।

बूस्टिंग स्टेशन का निरीक्षण करते डीसी

गंदे पानी की शिकायतें

शहर में दो माह से अधिक समय से गंदे पानी की सप्लाई की जा रही है। शिकायतों की जानकारी मिलने के बाद उपायुक्त सचिन गुप्ता ने नगर की विभिन्न कॉलोनियों का दौरा किया। घरों में जाकर अपने सामने ही पानी की गुणवत्ता की जांच करवाई। नागरिकों से पेयजल की शुद्धता व आपूर्ति के बारे में फीडबैक प्राप्त की। मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

नहर से जुड़ेगा जलघर

इसके अलावा जलघर को सीधा जवाहर लाल नेहरू कैनाल से जोड़ा जाएगा। 16.35 करोड़ की परियोजना से क्षतिग्रस्त अथवा खराब हो चुकी पेयजल पाइप लाईन को बदलने का कार्य किया जाएगा। इसी प्रकार से 26 करोड़ रूपए की परियोजना से सोनीपत रोड स्थित जलघर से जवाहर लाल नेहरू कैनाल तक राईजिंग मेन व एक एसएस टैंक बनाने आदि के कार्य किए जाएंगे।

जल्द योजनाओं पर कार्य शुरू होगा

स्वच्छ एवं समुचित मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाना जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। नगर की पेयजल आपूर्ति को और अधिक बेहतर बनाने के लिए 210 करोड़, 16.35 करोड़ तथा 26 करोड़ रूपए की तीन अलग-अलग परियोजनाओं की स्वीकृति सरकार से मिल चुकी है। इन परियोजनाओं पर जल्द काम शुरू हो जाएगा। पेयजल से सम्बंधित समस्याओं का जल्द समाधान करवा दिया जाएगा। -सचिन गुप्ता, डीसी

पानी की शुद्धता को परखा

डीसी ने झज्जर रोड स्थित द्वितीय जल घर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जल घर के वॉटर टैंक का निरीक्षण कर पानी के शुद्धिकरण की समूची प्रक्रिया को देखा। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर पानी के नमूने लेकर अपने सामने ही केमिकल का प्रयोग करके पानी की शुद्धता को परखा। उन्होंने द्वितीय जल घर का निरीक्षण करने के उपरांत गांव कन्हेली स्थित 20 एमएलडी के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए।

पानी के नमूनों की जांच करवाई

राजेंद्र कॉलोनी में पानी के नमूनों की जांच करवाई: उपायुक्त ने शुगर मिल क्षेत्र में बनाए गए बूस्टिंग स्टेशन का भी निरीक्षण किया और वहां पर पानी की गुणवत्ता की जांच करवाई। उपायुक्त इसके बाद राजेंद्र कॉलोनी में पहुंचे और अलग-अलग घरों से पानी के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच करवाई। जांच में पानी शुद्ध पाया गया।

सीएम फ्लाइंग-खाद्य आपूर्ति विभाग की कार्रवाई

74 कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए

रोहतक। सीएम फ्लाइंग की टीम कागजी कार्रवाई करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शीतल नगर में गाड़ी में बरामद हुए सिलेंडर, कोई कागजात भी नहीं दिखा पाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मुख्यमंत्री उड़नदस्ता (सीएम फ्लाइंग), खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और गुप्तचर इकाई की संयुक्त टीम ने शीतल नगर में छापेमारी कर अवैध रूप से रखे गए कमर्शियल गैस सिलेंडरों का भंडाफोड़ किया। इस दौरान मौके से कुल 74 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद हुए, जिन्हें जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जांच पड़ताल में इन सिलेंडर का कोई रिकार्ड नहीं मिला। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

औचक निरीक्षण में खुलासा

सीएम फ्लाइंग टीम और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक नवीन पालीवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने शीतल नगर में स्थित एक प्लॉट का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान वहां पर सुरेन्द्र निवासी शीतल नगर मौजूद मिला। प्लॉट के अंदर खड़ी गाड़ी की तलाशी लेने पर उसमें भारत कंपनी के 45 कमर्शियल सिलेंडर (19 किलोग्राम) खाली मिले। इसके अतिरिक्त कमरे में इंडेन कंपनी के 29 कमर्शियल सिलेंडर (19 किलोग्राम) खाली रखे हुए पाए गए। इस प्रकार कुल 74 कमर्शियल सिलेंडर बरामद हुए।

खराब मौसम के चलते हुए थे बंद

सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र आज से दोबारा खुलेंगे

- मौसम में सुधार व जल स्तर कम होने पर लिया गया फैसला

रोहतक। मौसम की स्थिति में सुधार व जल स्तर सामान्य होने के 9 सितंबर मंगलवार से जिले में स्थित सभी सरकारी व निजी स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को पुन खोलने के आदेश जारी किए हैं। जिला प्रशासन द्वारा गत 3 सितंबर को स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्र बंद करने के आदेश को वापस लिया गया है। सभी शिक्षण संस्थाओं को आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के आदेश भी दिए गए हैं। 9 सितंबर से स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्र दोबारा खुल सके। यह आदेश जनहित में जारी किया गया है तथा अनुपालना सुनिश्चित की जानी है। डीसी ने शिक्षण संस्थाओं को आवश्यक हिदायतें जारी की गई है। शिक्षण संस्थाओं के प्रधानों द्वारा निरंतर परिस्थितियों की निगरानी व जलभराव की स्थिति पर सतर्क निगरानी रखने पर कदम उठाने की हिदायतें दी गई है।

11 सितंबर को मेयर की अध्यक्षता में होगी नगर निगम की बैठक

सफाई व्यवस्था और अवैध कब्जे सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

नगर निगम की आगामी सदन बैठक 11 सितंबर को जिला विकास भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता मेयर रामअवतार वाल्मिकी करेंगे। इस बैठक में नगर निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, अवैध कब्जों को हटाने और डेयरी कांप्लेक्स की शिफ्टिंग जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। निगम कार्यालय से जारी पत्र में बताया कि निगम सीमा क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर कई बार शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इस बार बैठक में सफाई ठेकेदारों की जवाबदेही और सफाई कर्मियों की कार्यप्रणाली पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहरवासियों को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराना नगर निगम की

प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इसी प्रकार शहर की बड़ी समस्या बने अवैध कब्जों को हटाने के विषय पर भी बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। निगम प्रशासन के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों और निगम भूमि पर अवैध कब्जे हटाकर आमजन को राहत दिलाई जाएगी। इसके लिए आवश्यक कार्य योजना बनाने पर विचार होगा।

पहल 5-5 विद्यार्थियों के बैच की ग्रामीण क्षेत्र में लगनी चाहिए ड्यूटी

ग्रामीण क्षेत्र में भी पहुचाएं फिजियोथेरेपी सुविधा: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

फिजियोथेरेपी के माध्यम से हम कई बीमारियों में मरीज को बिना दवाइयों के ठीक कर सकते हैं, ऐसे फिजियोथैरेपी की भूमिका समाज के लिए बहुत अहम हो जाती है। हमें 5-5 विद्यार्थियों का एक बैच बनाकर ग्रामीण क्षेत्र में भी उनकी पोस्टिंग करनी चाहिए जिससे ग्रामीणों को भी उनके द्वार पर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वें सोमवार को ओपीडी व लैक्चर थियेटर वन में मनाए जा रहे विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे। कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने कहा कि फिजियोथेरेपी बुजुर्गों को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहा है। बुजुर्गों के लिए ओपीडी में जेरियाट्रिक क्लीनिक भी चलाया जा रहा है।

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल व निदेशक डॉ. एसके सिंघल। फोटो : हरिभूमि

नाटक व पोस्टरों के माध्यम से किया जागरूक

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि आज जो यह ओपीडी में नुक्कड़ नाटक व पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई वह काफी सराहनीय है, इसके साथ ही मरीजों द्वारा चिकित्सकों के लिए लिखे गए अच्छे अच्छे अनुभव भी काफी सराहनीय हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि मरीजों को हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि प्राचार्य होने के नाते उनका प्रयास रहेगा कि फिजियोथेरेपी में नवीनतम तकनीकें ईजाद की जाएं। डॉ. रूपसिंह ने कहा कि उनका कालेज उत्तर भारत हरियाणा में चौथे स्थान पर है और उनका प्रयास रहेगा कि इसे भारत में एक अलग पहचान दिलाएं।

फिजियोथेरेपिस्ट का अहम रोल

निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कई विभागों में मरीजों की सेहत को देखते हुए फिजियोथेरेपिस्ट का अहम रोल होता है क्योंकि वें वार्ड के साथ-साथ न्यूरोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, सहित कई आईसीयू में भी मरीज की सेवा कर उनकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी
अस्थल बोहर, रोहतक-124021 (हरियाणा)
Established under Haryana Private Universities Act, 2006
Recognized by the UGC under 2(f) and Member, Association of Indian Universities (AIU)
9053066601 | www.bmu.ac.in
महंत बालकनाथ योगी, Chancellor, BMU

Zero Admission Fee* BMU SCHOLARSHIP PROGRAMS
or Free Laptop*
Eligibility Criteria: Marks 85% Above — Scholarship Upto 50%
Scholarship: Sibling, Single Girl Child, Physical Handicapped — Discount Upto 25% OFF

Admissions Open 2025-26

Programmes Offered by the University for Session 2025-26

Programme	Fee Per Sem.
FACULTY OF AYURVEDA	
BAMS	2,25,000/-
FACULTY OF NURSING	
ANM/GNM	--------
B.Sc. Nursing	1,05,000/-
Post Basic B.Sc. Nursing	50,000/-
FACULTY OF PHARMACEUTICAL SCIENCES	
D.Pharmacy	37,500/-
B.Pharmacy	45,000/-
M.Pharmacy	50,000/-
FACULTY OF PHYSIOTHERAPY	
BPT/ MPT	45,000/-
B.Sc. MLT	31,000/-
Bachelor of Optometry	31,000/-
FACULTY OF SCIENCES	
B.Sc. (Physical Sciences) (Physics, Chemistry, Mathematics)	11,000/-
M.Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics)	21,000/-
B.Sc. (Life Sciences) (Botany, Zoology, Chemistry)	11,000/-
M.Sc. (Botany, Zoology)	21,000/-
B.Sc. (Bio-Technology)	11,000/-
M.Sc. (Bio-Technology)	21,000/-
B.Sc. (Hons.) Agriculture	31,000/-

Programme	Fee Per Sem.
FACULTY OF LEGAL STUDIES	
B.A.L.L.B • LL.B • LL.M	27,500/-
FACULTY OF MANAGEMENT AND COMMERCE	
BBA	15,000/-
BCA	17,500/-
MBA • MCA	26,000/-
B.Com. • M.Com.	11,000/-
FACULTY OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY	
B.Tech. (CSE, ME, CE)	30,000/-
M.Tech. (CSE, CE)	30,000/-
FACULTY OF HUMANITIES AND LIBERAL EDUCATION	
B.A.; B.A. (Hons.) English; B.A. Journ. & Mass Comm.; B.Lib. & Info. Sci; M.Lib. & Info. Sciences; M.A. (English, Hindi, Journalism & Mass Comm., History, Economics, Sociology, Geography, Political Science)	11,000/-
M.A. Sanskrit • Shastri (UG)	2,500/-

Ph.D. (All Streams) As Per UGC Norms.
B.Ed. ₹ 22,000/- (Fee Per Sem.) *Affiliated with MDU,Rohtak
New Programmes
VLDD (Diploma in Veterinary) | B.Sc. Nursing | B.Sc. (Hon.) (Agriculture)
Application Fee - 1000 || Admission Fee UG-7500, PG-12500 || Exam Fee- UG-2500, PG-3000 || Hostel Fee 70000 Per Year
*Terms & Conditions Apply

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

हरिभूमि सहेली

रोहतक, मंगलवार
9 सितंबर 2025

लैट रिलेशनशिप
दूर रह कर साथ रहने का अहसास

लैट रिलेशन यानी दूर रहकर भी करीब रहने के अहसास के साथ रिश्ता बनाए रखने का चलन, तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के बाद अपने देश-समाज में बढ़ रहा है। हालांकि इस तरह रिश्ते निभाने में कई तरह की सहूलियतें मिलती हैं लेकिन इसमें कुछ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह रिश्ता तभी सहज ढंग से चल सकता है, जब पति-पत्नी दोनों इसके लिए मानसिक रूप से तैयार हों।

कवर स्टोरी
सरस्वती रमेश

हमारे समाज में शादी के बाद पति-पत्नी अमूमन साथ रहते हैं। अगर पति शहर के बाहर नौकरी या बिजनेस करता है तो शादी होते ही या कुछ समय बाद पत्नी भी उसके पास जाकर रहने लगती है। चाहे पत्नी को इसके लिए अपनी नौकरी ही क्यों न छोड़नी पड़े। कम से कम 90 प्रतिशत मामले में ऐसा ही होता रहा है। असल में शादी का मतलब ही होता है एक-दूसरे के साथ रहना और साथ निभाना। लेकिन आज के दौर में विवाह की यह पारंपरिक सोच बदल रही है। इस नई सोच के मुताबिक पति-पत्नी एक-दूसरे का साथ जरूर निभा रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे के साथ रहे बिना। जी हां, लिविंग अपार्ट टुगेदर (लैट) यानी दूर रह कर साथ रहना, आजकल के शादी-शुदा कपल्स के बीच तेजी से बढ़ता ट्रेंड है। वैसे तो यह अवधारणा पश्चिमी देशों से आयातित है। लेकिन हमारे देश में भी यह तेजी से बढ़ रहा है।

क्या है लैट रिलेशन: जब शादीशुदा जोड़े शारीरिक रूप से एक साथ रहने की बजाय दूसरे शहर, राज्य या देश में रहकर भी दांपत्य रिश्ते में बंधे रहना स्वीकार करते हैं तो इसे लैट रिलेशनशिप कहा जाता है। अब तो कपल्स एक ही शहर में अलग-अलग घरों में रहने का विकल्प भी चुन रहे हैं। कई बार साथ रहने की सुलभता के बावजूद दूर रहना वो स्वेच्छा से चुन रहे हैं। इसके पीछे का तर्क यह दिया जा रहा है कि इससे उनके रिश्ते में नई ऊर्जा मिलती रहेगी। किसी से कभी-कभी मुलाकात होने पर हम उससे अतिरिक्त उत्साह से मिलते हैं, जबकि रोज मिलने वालों के साथ मिलने का उत्साह खत्म-सा हो जाता है। लेकिन यह लैट रिलेशन का कोई अकेला कारण नहीं है, और भी वजहें हैं।

ट्रेंड बढ़ने की वजहें: कई शोधों से यह साबित हो चुका है कि आज की पीढ़ी में सहन करने की क्षमता कम हुई है। उनमें छोटी-छोटी बातों को लेकर एग्रेशन बढ़ा है। पति-पत्नी को भी गीला तौलिया बेड पर रखने, एसी का टेंपरेचर कम/ज्यादा करने या घर के छोटे-मोटे कामों के बंटवारे को लेकर झगड़ते हुए देखा जा सकता है। पश्चिमी देशों में लैट रिलेशन की यह भी एक बड़ी वजह है, लेकिन हमारे देश में इसकी बड़ी वजह है, पति-पत्नी के करियर और जॉब से जुड़ी जरूरतें। ज्यादातर मामलों में पति और पत्नी अलग-अलग प्रोफेशन से जुड़े होते हैं। उनकी जरूरतें, ऑफिस टाइमिंग, वर्किंग फील्ड सब कुछ अलग होता है। एक समय ऐसी परिस्थिति में पत्नी सहजता से अपनी नौकरी छोड़ कर अपने पति के साथ रहना स्वीकार कर लेती थी। आज भी अधिकतर मामलों में ऐसा ही होता है, लेकिन अपने करियर के लिए समर्पित महिलाएं शादी के बाद भी अब जॉब छोड़ना स्वीकार नहीं कर रही हैं। बल्कि पति से दूर रहकर अपने सपनों को पूरा करने में लगी हुई हैं। पति भी अपने जीवन साथी की भावनाओं को समझते हुए उन्हें ऐसा करने में सहयोग कर रहे हैं। रिश्तों को निभाने के लिए पारंपरिक शर्तें अब कोई शर्त नहीं रही। जोड़े अब अपनी सुविधा से अपने नियम बना रहे हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि दूरी एक-दूसरे के प्रति लगाव और प्रशंसा की भावना बढ़ाती है।

खुद पर फोकस: ज्यादातर मामलों में पति-पत्नी का नेचर, पसंद, हॉबीज, जिंदगी के प्रति नजरिया सब अलग-अलग होते हैं। शादी के बाद अमूमन हर व्यक्ति को अपने पार्टनर का ख्याल रखना पड़ता है, चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। जैसे पसंद का खाना, हॉबीज, मत, जरूरतें आदि। ऐसे में खुद की इच्छा कहीं पीछे छूट जाती है। लेकिन लैट रिलेशन में व्यक्ति खुद पर पूरा फोकस करता है, साथ ही अपने पार्टनर को खुद पर फोकस करने का पूरा मौका भी देता है। इसके अलावा आज की पीढ़ी के लिए पर्सनल स्पेस एक बड़ी जरूरत बन चुकी है। संयुक्त या एकल परिवारों में रह रहे महिला और पुरुष भी अब पर्सनल स्पेस चाहते हैं। थोड़ा या कुछ ज्यादा समय, जो सिर्फ उनका हो। ऐसी परिस्थितियां जिनमें शारीरिक या भावनात्मक रूप से किसी की टोका-टोकी या खलल न हो, वे अपनी मर्जी से जी सकें। व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए आज यह पर्सनल स्पेस काफी महत्वपूर्ण बन चुका है। लैट रिलेशन में रह रहे जोड़ों की बिन मांगे यह मुराद पूरी हो रही है।

विदेश में शादियां: अब मध्यवर्ग की लड़कियां भी एनआरआई दूल्हे के सपने देख रही हैं। लेकिन यदि लड़की अपने देश में ही किसी अच्छी जॉब में है तो शादी के बाद भी यहीं रुकना उसकी मजबूरी है। ऐसे कपल्स दूर रहकर भी लैट रिलेशन में अपने रिश्ते को बनाए रखते हैं। बीच-बीच में कुछ समय साथ बिताते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। ऐसे संबंधों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब जीवन साथी साथ न रहे, तो जिम्मेदारियों, काम के बंटवारे को लेकर बार-बार की एडजस्टमेंट नहीं करनी पड़ती। इससे किटपिट कम होती है। साथ ही यदि कोई लड़की शादी के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहकर उनकी देखभाल करना चाहे तो इस रिलेशन में रहकर वह कर सकती है।

चुनौतियां: अलग-अलग रहकर साथ होने के अपने नुकसान भी हैं। लैट रिलेशन कुछ खास तरह के जोड़ों के लिए उपयोगी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर के लिए नहीं।

आर्थिक भार: पहली बात तो यह कि ऐसी अवधारणा को मूर्त रूप सिर्फ अमीर लोग ही दे सकते हैं। दो घर यानी दो अलग-अलग गृहस्थियां चलाना महंगा पड़ता है। लैट रिलेशन में पति-पत्नी अपने इनकम को पूरी तरह अपने मुताबिक खर्च कर सकते हैं, लेकिन आगे परिवार बढ़ाने की प्लानिंग और बचत जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग और साथ चाहिए होता है। दूसरी बात, इस तरह लंबे समय तक रहना व्यावहारिक नहीं जान पड़ता।

भावनात्मक दूरी: कहते हैं पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी तकरार उनके संबंध को और गहरा बनाती है, लेकिन जब मिलना ही नहीं होगा तो तकरार और दांपत्य की छोटी-छोटी खुशियां और गम भी एक-दूसरे से साझा नहीं हो पाएंगे। इस तरह लंबे समय तक अलगाव भावनात्मक दूरी भी बढ़ा सकती है।

अकेलेपन की समस्या: देखा जाए तो लैट रिलेशन अकेलेपन या अलगाव की भावनाओं को और बढ़ा सकता है। खासकर यदि व्यक्ति किसी अपरिचित स्थान पर हो और उसका कोई मजबूत सामाजिक दायरा न हो। वैसे भी आजकल की पीढ़ी काम की अधिकता और जीवन की जटिलताओं के कारण डिप्रेशन में चली जा रही है। अकेले रहने से पति-पत्नी एक-दूसरे को भावनात्मक संबल नहीं दे पाते हैं। इससे उनका आपसी जुड़ाव कमजोर होता है।

कब-कैसे हुई लैट रिलेशन की शुरुआत

सुनने में लैट रिलेशन टर्म हमें जितना नया लग रहा है, असल में यह इतना नया है नहीं। इसकी शुरुआत 1970 के दशक में नीदरलैंड में हुई थी। सबसे पहले इस टर्म को 'फ्रैंक एन इवा' फिल्म में दिखाया गया था। फ्रैंक और इवा न तो साथ रह पा रहे थे, न ही अलग होना चाहते थे। तब दोनों ने रिश्ते में रहते हुए दूर-दूर रहने का फैसला किया। अंग्रेजी भाषा में यह फिल्म 'लिविंग अपार्ट टुगेदर' नाम से रिलीज हुई थी। वहीं से यह शब्द मिला। लैट रिलेशन में पति-पत्नी शारीरिक रूप से दूर रहने के बावजूद भावनात्मक रूप से दांपत्य बंधन में बंधे हुए होते हैं। विज्ञान और तकनीक की प्रगति ने इस चलन को बढ़ावा दिया है। चूंकि आज हजारों किलोमीटर दूर रहते हुए भी मोबाइल इंटरनेट के माध्यम से जुड़े रहना संभव हो गया है, इसलिए ऐसे संबंधों को जरूरी ईंधन मिलता रहता है। भारतीय समाज में देखें तो यह शब्द अभी नया है, प्रचलन में नहीं है। अनेक पुरुष अपनी पत्नियों को गांव, कस्बे में छोड़कर रोजगार के लिए शहरों में चले जाते हैं। कई बार तो वो विदेशों में कमाने के लिए चले जाते हैं, कई वर्षों बाद वापस आते हैं। मतलब दूर रहते हुए भी अपने रिश्ते को जीवित रखते हैं।

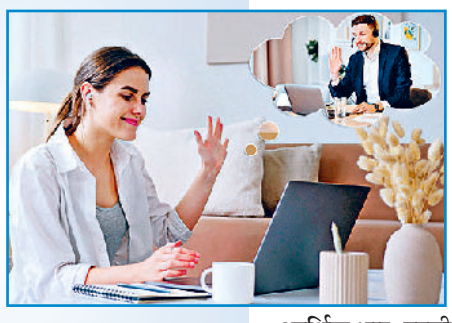

खिलौनों को लेकर रहें सजग

आजकल बाजार में मिलने वाले प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रहे हैं। ये खिलौने ऑटिज्म को बढ़ा रहे हैं। इसलिए जरूरी हो गया है, बच्चों को पैरेंट्स लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे से बने परंपरागत देसी खिलौने दें, जो बच्चों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं हैं।

बच्चे और आप
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों एम्स द्वारा किए गए रिसर्च में सामने आया कि ऑटिज्म पीड़ित बच्चों के शरीर में लेड, क्रोमियम, मर्करी, मैंगनीज, कॉपर, आर्सेनिक, कैडमियम जैसे भारी धातु पाए गए हैं, जो कि बच्चों में ऑटिज्म बीमारी बढ़ने का कारण बन रहे हैं। पैरेंट्स को ध्यान देना होगा कि स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली ये धातुएं प्रदूषित भोजन, सिगरेट के धुएं, प्रदूषित हवा, औद्योगिक कचरे और खिलौनों के जरिए बच्चों के शरीर में पहुंच रही हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि अध्ययन में ऑटिज्म से पीड़ित 3 से 12 साल के 180 बच्चों और 180 स्वस्थ बच्चों को शामिल किया गया। इनमें 32 प्रतिशत ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों में 7 तरह के हेवी मेटल्स ज्यादा पाए गए, जबकि स्वस्थ बच्चों में यह समस्या नहीं मिली। ऐसे में पैरेंट्स का बच्चों के शरीर में पहुंचते नुकसानदेह रसायनों और धातुओं को लेकर जागरूक रहना आवश्यक है। देखने में आता है कि खिलौनों से बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर आज भी अवेयरनेस की कमी है।

ट्रेडिशनल खिलौने दें: बच्चों को खिलौनों से दूर नहीं किया जा सकता। बालमन के मनोरंजन और खेलने के लिए खिलौने जरूरी हैं। ऐसे में जागरुकता के साथ, जज्बाती जुड़ाव के इस मोर्चे पर हमारा परंपरागत खिलौनों की ओर लौटना जरूरी है। लकड़ी, मिट्टी, कपड़े और धागे जैसे सामानों से बने देसी खिलौने ना केवल परंपरा वाहक हैं। बल्कि भारतीय संस्कृति और जीवनशैली को समझने का जरिया भी हैं। इनसे बच्चों के स्वास्थ्य को कोई खतरा नहीं होता। वहीं प्लास्टिक और अन्य सामानों से बने विदेशी खिलौनों में मौजूद रसायन बच्चों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। यही वजह है कि सेहत सहेजने और बच्चों को सहज और संवेदनशील जीवनशैली का पाठ पढ़ाने के लिए परंपरागत खिलौनों की बहुत अहमियत है। हमारे अधिकतर देसी खिलौने ग्रामीण जन-जीवन की झलक और प्रकृति से जुड़ाव का सबक लिए होते हैं। ट्रेडिशनल खिलौने बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ ही जमीनी जुड़ाव और समझ को पोषित करने वाले साथी बन सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए कैसे हानिकारक हैं खिलौने: परवरिश के कई संजीदा पक्ष खिलौनों से जुड़े हैं। बाल स्वास्थ्य से जुड़े अनगिनत जोखिमों के बावजूद प्लास्टिक या धातु के खिलौने बच्चों के हाथ में थमा दिए जाते हैं। अब तो बाजार इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों से भी अटा पड़ा है। देखने में आता है कि नुकसानदेह रसायन ही नहीं, कई तरह की तकनीक से लैस स्वचालित खिलौने बच्चों की मनः स्थिति पर भी दुष्प्रभाव डालते हैं। खिलौने बच्चों की शारीरिक-मानसिक सेहत को कई तरह से प्रभावित करते हैं। इसीलिए इस विषय में डॉक्टर से भी चर्चा करनी चाहिए। कई बार तो कुछ खास तरह के इंफेक्शन का कारण मुंह में डाले जाने वाले खिलौने भी होते हैं। दांत निकलने के समय तो बच्चे खिलौने को खूब चबाते हैं। मुंह में डालने से कई तरह के वायरस और बैक्टीरिया के बच्चों के शरीर में जाते हैं। ऐसे में गंदे खिलौनों से पेट और मुंह के इंफेक्शन ही नहीं, स्किन इंफेक्शन की समस्या भी हो सकती है। बीमार होने पर बच्चों के टॉयज की डॉक्टर को भी जानकारी दें। घर में भी खिलौनों की साफ-सफाई को लेकर सजग रहें। स्वच्छ रखें और कभी-कभी धूप भी दिखाएं।

बागवानी
अनु आर.

अगर आप चाहती हैं कि आने वाली सर्दियों में अपने गार्डन में उगी ताजी, ऑर्गेनिक और तरह-तरह की सब्जियों का आनंद लें तो इसी महीने कुछ सब्जियों के बीज बो दें। आप कौन सी सब्जियां कैसे लगा सकती हैं, दे रहे हैं कुछ उपयोगी सलाह।

इसी महीने बो दें इन सब्जियों के बीज

मानसून का अंतिम महीना माना जाता है सितंबर माह को, जब वातावरण में नमी बढ़ने लगती है और मौसम ठंडा होने लगता है। कई सारी सब्जियों को उगाने के लिए यह सबसे अनुकूल मौसम होता है। ऐसे में हम आपको बताते है, कुछ ऐसी सब्जियों के बारे में, जिन्हें आप इस माह अपने गार्डन में उगा सकती हैं। इस माह में आप अपने गार्डन में हरी मटर, फूलगोभी, गाजर, टमाटर, ब्रोकली और मूली जैसी सब्जियों को लगा सकती हैं। इस मौसम में लगाई गई ये सब्जियां सर्दी के मौसम में तैयार हो जाएंगी।

फूल गोभी: फूल गोभी हमारे देश में पूरे साल उपलब्ध होती है और किसान इसकी खेती पूरे साल करते हैं। लेकिन मुख्य तौर पर ठंडे मौसम की फसल है। इस महीने में इसे लगाकर सर्दियों में आप अपने बगीचे में उगी गोभी का स्वाद ले सकती हैं। फूल गोभी 6 से 7 के बीच पीएच मान वाली और अच्छी निकास वाली कार्बनिक पदार्थों से भरपूर मिट्टी में अच्छी तरह पनपती है। इसकी मिट्टी को लगातार नम रखें और ज्यादा नाइट्रोजन वाली खाद डालकर इसको अच्छी तरह उगा सकती हैं।

टमाटर: सर्दी के मौसम में ताजे टमाटर खाने के लिए इसी महीने टमाटर के बीज बो दें। इसे ग्रो बैग में लगाएं, गमले में या जमीन पर। इसके लिए दोमट मिट्टी सबसे अनुकूल होती है। टमाटर की फसल बहुत जल्द तैयार हो जाती है।

ब्रोकली: हरी फूल गोभी की तरह दिखने वाली ब्रोकली की सर्दी के मौसम में बहुत मांग बढ़ जाती है। कैल्शियम और आयरन से भरपूर यह सब्जी अगर आप इस महीने में अपने घर के गार्डन में लगाती हैं तो पूरी सर्दियां आप इसका स्वाद ले सकेंगी। ब्रोकली के पौधे को कम गीली मिट्टी में ऐसी जगह पर लगाएं जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मिर्च: भोजन में स्वाद जगाने वाली और सेहत से भरपूर हरी मिर्च को इस माह गमलों में लगा सकती हैं। इसके दो-चार पौधों से ही काफी मात्रा में हरी मिर्च प्राप्त हो जाती हैं। इसके लिए दोमट मिट्टी बेहतरीन होती है और कुछ ही दिनों बाद पौधे में खूब सारी हरी मिर्च लगना शुरू हो जाती हैं।

मूली: मूली को अगर गमले में लगाना हो तो मिट्टी में खाद डालकर उसमें अच्छी-सी नमी लाकर गमले की मिट्टी में ऊपर से इसके बीज बिखेरें और इसमें समय-समय पर पानी देती रहें। 40 से 60 दिन के बाद मूली की फसल तैयार हो जाएगी।

गाजर: सर्दी के मौसम में सब्जी के रूप में, सलाद के तौर पर गाजर खूब खाई जाती है। इसका हलवा भी लोग चाव से खाते हैं। इसके लिए आपको इसी महीने में गाजर के बीज बो देने चाहिए। बीज बोने से पहले मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार कर लें। इसे ऐसी जगह पर रोपें, जहां अच्छी धूप आती हो।

हरी मटर: सर्दी के दिनों में अपने गार्डन में उगी ताजा और मीठी मटर खाने का मजा ही अलग होता है। इसके लिए आपको इन्हीं दिनों में मटर बो देना चाहिए। मटर उगाने के लिए इन्हें कार्बनिक पदार्थों से भरपूर अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में बोएं। बारिश के बाद जब मौसम सूखा हो, तो इनकी बेलों को चढ़ाने के लिए डंडे या दीवार का सहारा जरूर दें। पौधों को चूहों से बचाने के लिए इन्हें जाल से कवर कर सकती हैं।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

सूखे नीबू से स्किन बनेगी सॉफ्ट-ग्लोइंग

नीबू के छिलकों में विटामिन-सी, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई मिनरल्स के अलावा एंटी-बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। ये स्किन को सॉफ्ट बनाने के साथ-साथ स्किन से फाइन लाइंस, झुर्रियों, टैनिंग, मुंहासों और दाग-धब्बों को कम करने जैसी कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करते हैं। ताजे नीबू की तरह ही सूखे हुए नीबू के छिलकों को भी अपने ब्यूटी रुटीन में आप अलग-अलग तरीके से शामिल कर सकती हैं। नीबू के छिलके का पावडर बनाने के लिए सबसे पहले इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर धूप में सूखा लें और मिक्सर में डालकर पीस लें। अब इस मिश्रण को स्टोर करने के लिए किसी एयर टाइट कंटेनर में रख दें। आप इस मिश्रण का इस्तेमाल लिप बाम, क्लींजर या फिर फेस मास्क के लिए कर सकती हैं।

फेस पैक: नीबू के छिलके से बने फेस पैक ऑयली स्किन वाली महिलाओं को काफी राहत मिलती है। फेस पैक बनाने के लिए एक चम्मच बेसन में एक छोटा चम्मच नीबू के छिलके का पावडर और गुलाब जल मिक्स करके लगा लें और जब यह मिश्रण स्किन पर नेचुरल तरीके से सूख जाए तो इसे ताजे पानी से धो लें। इस मिश्रण के साथ आप दही का यूज भी कर सकती हैं। इस फेस पैक से आपकी स्किन और भी सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखेगी।

स्क्रब: बॉडी और फेस स्क्रब बनाने के लिए आप एक मिक्सर में थोड़ी सी चीनी, शहद और नारियल के दूध के साथ सूखे नीबू के छिलकों के पावडर को अच्छी तरह मिक्स कर लें। शहद, एक्सफोलिएशन में मदद करता है, जबकि नारियल का दूध स्किन को फ्रेश और सॉफ्ट बनाता है। चेहरे की थकावट को दूर करने के लिए येह फेस स्क्रब काफी मददगार साबित हो सकता है। नीबू में साइट्रिक एसिड होता है, जिसकी वजह से यह स्किन की ड्राई सेल्स में जमी परत को एक्सफोलिएट करता है। इसे लगाने से त्वचा मुलायम और चमकदार दिखती है। शहद में पाए जाने बाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मुंहासों के उपचार के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

हर्बल टी भी है कारगर: लेमन हर्बल टी बनाने के लिए सूखे नीबू को छोटे टुकड़ों में काटकर उनके छिलकों को रातभर पानी में छोड़ दें। सुबह इनके छिलकों को पानी में थोड़ी देर के लिए उबालकर इसे छान लें। इसके बाद इसे चीनी या शहद से मीठा कर सकती हैं। आप इस चाय में अदरक, तुलसी और इलायची के साथ या फिर किसी जड़ी-बूटी को भी डाल सकती हैं। इसे पीने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और एक्सट्रा बॉडी वेट को घटाने में भी मदद मिलेगी

मेडिकल एडवाइस
डॉ. रवींद्र गुप्ता
एचओडी-इंटरनल मेडिसिन
सी. के. बिड़ला हॉस्पिटल, एनसीआर

ऐसे रहेगा कंट्रोल बैड कोलेस्ट्रॉल

अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण हमारे शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ने लगती है। इससे हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का रिस्क बढ़ने लगता है। क्या हैं बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण, इसके लक्षणों के साथ ही इससे बचाव के बारे में जानिए।

हमारे शरीर के सेल्स में पाया जाने वाला कोलेस्ट्रॉल नामक पदार्थ पिघले मोम की तरह चिपचिपा और वसा का ही एक रूप है। यह इतना ऑयली होता है कि पानी में नहीं घुल पाता, जिससे लिपोप्रोटीन पार्टिकल्स ब्लड फ्लो की मदद से इसे शरीर के सभी भागों में पहुंचता है। लेकिन बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर कमजोर होना, अल्जाइमर और शरीर में दर्द-अकड़न जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार: हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल मौजूद होते हैं। पहला हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल), यानी गुड कोलेस्ट्रॉल। यह हार्मोंस के स्राव को नियंत्रित करना, नर्वस सिस्टम के न्यूरांस को बनाना, विटामिन की पाचन क्रिया के साथ नई सेल्स की दीवारों और विटामिन डी को बनाने में भी मदद करता है।

दूसरा लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एलडीएल), यानी बैड कोलेस्ट्रॉल। यह ब्लड वेसेल्स के अंदर की दीवारों में चिपककर उन्हें संकरा बना देता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट पैदा होने की वजह से हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, नजर का कमजोर होना और शरीर के कुछ भागों में हमेशा दर्द रहता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण : हमारे शरीर में 20 प्रतिशत बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा डायटरी, सैचुरेटेड और ट्रांस फैट से आती है, जैसे, रेड मीट, तेल, मक्खन और घी का अधिक मात्रा में सेवन करने से बढ़ता है। इसके अलावा 80 प्रतिशत फैट लिवर में तैयार होता है। मैदा, चीनी, चावल, सूजी, ओट्स, एल्कोहल, सॉफ्ट ड्रिंक्स और जंक फूड जैसी चीजों में कार्ब की मात्रा अधिक होने से लिवर इनमें मौजूद कार्ब्स को बैड कोलेस्ट्रॉल में बदल देता है। एक्सरसाइज न करना भी इसकी मात्रा बढ़ने की बड़ी वजह है।

बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण : शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर आपको अलग-अलग लक्षण देखने को मिल सकते हैं। आंखों के सफेद हिस्से पर काले या भूरे रंग का घेरा नजर आना, शरीर में अकड़न, पसीना आना, दिल की धड़कन बढ़ने के साथ सीने, कंधे और गर्दन में दर्द होने जैसे लक्षण नजर आते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा जरूरत से अधिक बढ़ने पर यह ब्लड वेसेल्स में जमा होकर प्लाक बनाता है, जिससे ब्लड फ्लो में रुकावट के कारण दिल का दौरा और ब्रेन स्ट्रोक होने का रिस्क बढ़ सकता है।

बचाव और उपचार के तरीके

बैड कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से संबंधित कोई भी लक्षण नजर आए तो लिपिड प्रोफाइल नामक जांच अवश्य कराएं। इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल का पता लगाया जा सकता है। आमतौर पर स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल 130 से कम होना चाहिए, अगर किसी की हार्ट की सर्जरी हुई है तो शरीर में इसका लेवल 100 से कम होना चाहिए। अगर किसी तरह के लक्षण नजर नहीं भी आते तब भी चालीस पार के लोगों को साल में एक से दो बार कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज और वॉकिंग करें। घी, तेल, मक्खन, मैदा और बाजार में बिकने वाले जंक फूड्स जैसी चीजों को अवॉयड करें। डॉक्टर की सलाह पर दवाओं की मदद से भी इसे कंट्रोल किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में ताइक्वांडो खेल में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और प्रदेश का तीन बहनों प्रिया, गीता और रितु यादव ने बढ़ाया मान

एमडीयू कुलपति से मिलीं वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में ताइक्वांडो में शानदार प्रदर्शन करने वाली तीन बहनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में ताइक्वांडो खेल में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली तीन बहनों- प्रिया यादव, गीता यादव और रितु यादव ने सोमवार को महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह से मुलाकात की।

इस अवसर पर कुलसचिव डा. कृष्णकांत विशेष तौर पर मौजूद रहे। ये तीनों अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी महारानी किशोरी महिला महाविद्यालय, रोहतक की छात्राएं हैं।इन खिलाड़ी छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक और कैश मनी प्राइज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे कुलपति के समक्ष रखे।

खिलाड़ी छात्राओं ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के कारण वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकीं। इस वजह से उन्हें शैक्षणिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कुलपति से मांग की कि उन्हें परीक्षा देने का एक और अवसर प्रदान किया जाए ताकि उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो। साथ ही खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एमडीयू द्वारा दिए जाने वाले कैश मनी प्राइज भी दिलवाने की मांग की।कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने तीनों प्रतिभाशाली बहनों से भेंट कर उनकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय उनके हित में सकारात्मक निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि एमडीयू खेल और खिलाड़ियों को हर स्तर पर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वासन दिया कि उनकी शैक्षणिक समस्या का समाधान शीघ्र ही किया जाएगा। प्रो. सिंह ने कहा कि एमडीयू प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी खिलाड़ी अपनी खेल गतिविधियों के कारण पढ़ाई में पीछे न रह जाए। बविश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने भी इन खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि एमडीयू प्रशासन खिलाड़ियों को अनुकूल वातावरण, खेल सुविधाएँ और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का मानना है कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का साधन है, बल्कि अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। इस दौरान तीनों खिलाड़ी बहनों के पिता जितेंद्र सिंह यादव भी मौजूद रहे।

रोहतक। ताइक्वांडो खिलाड़ियों के साथ कुलपति प्रो. राजबीर सिंह व कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत। फोटो : हरिभूमि

जल्द होगा खिलाड़ियों का सम्मान समारोह

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही खिलाडियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन करेगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एमडीयू के खिलाडियों को नकद इनाम (कैश प्राइज मनी) प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खिलाडियों के सम्मान और सहयोग के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले ही कई योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने बताया राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाडियों को 1.50 लाख रुपये तक प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए हरसंभव प्रयास विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे है।

खास बातें

- इन खिलाड़ी छात्राओं ने अपनी शैक्षणिक और कैश मनी प्राइज से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे कुलपति के समक्ष रखे
- खेलों के कारण वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकी

खबर संक्षेप

पूरे साल चलाएं नेत्रदान जागरूकता अभियान

रोहतक। नेत्रदान पखवाडे को सिर्फ 15 दिन ही नहीं अपितु पूरे साल चलाना चाहिए ताकि अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढे और अधिक से अधिक लोग यह दान करने के लिए आगे आएं और कोई भी व्यक्ति इस दुनिया को देखे बिना ना रह सके। हमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में हर घर तक जाकर लोगों को नेत्रदान और अंगदान के लिए जागरूक करना होगा तभी हम प्रत्यारोपण की मांग को पूरा कर पाएंगे और कोई भी व्यक्ति अंग के अभाव में इस दुनिया से नहीं जाएगा। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वे डेंटल कालेज में आयोजित किए जा रहे नेत्रदान पखवाड़े के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे।

ओणम का रंगारंग उत्सव मनाया

रोहतक। दक्षिण भारतीय संस्कृति की झलक पेश करते हुए दादा लखमी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के नियोजन एवं वास्तुकला संकाय ने सोमवार को ओणम का रंगारंग उत्सव मनाया। हरियाणा में इस त्योहार का यह अपनी तरह का पहला भव्य आयोजन था, जिसमें परंपरा, उत्साह और एकजुटता की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. गुंजन मलिक मनोचा, विभागाध्यक्ष आर्किटेक्ट अजय बहू जोशी आदि रहे।

147 गांवों के लिए खुला है ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जिला के सभी 147 गांवों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल को खोला गया है। जल भराव से प्रभावित किसान 15 सितम्बर 2025 तक इस पोर्टल पर अपनी फसलों को हुए नुकसान बारे दावे अपलोड करें। दावों की जांच के बाद प्रभावित किसानों को सरकार द्वारा फसलों का मुआवजा दिया जाएगा। सचिन गुप्ता स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार आदि रहे।

58वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने प्रतिभा से जीते दिल

विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, पहले दिन जीते कई मेडल

- *गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया*
- *विजेता खिलाड़ियों को आयोजकों ने किया प्रोत्साहित*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न जिलों में आयोजित हो रही तीन दिवसीय (8 से 10 सितंबर 2025 तक) 58वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता (अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19, बालक एवं बालिकाएं) का शुभारंभ हुआ। रोहतक जिले से चयनित लगभग 320 खिलाड़ी विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिताएं प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित की जा रही हैं। यह जानकारी मीडिया कन्वीनर डॉक्टर जनक राज ने दी। उन्होंने बताया कि पहले दिन आयोजित प्रतियोगिताओं में रोहतक जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर अनुशासन, मेहनत और खेल कौशल से सभी का मन जीता। खिलाड़ी कबड्डी, कुश्ती, बैडमिंटन, आर्चरी, फेंसिंग, ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग तथा शतरंज जैसे खेलों में दमखम दिखा रहे हैं। शानदार प्रदर्शन पर एईओ संजय मलिक और एईईओ राकेश सिवाच सहित अन्य अधिकारियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। कहा कि खेल केवल पदक जीतने का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास का जीवन पाठ भी है।

कबड्डी की ऑफिशियल रीटा गिल ने बताया कि अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालकों की कबड्डी प्रतियोगिता पानीपत में आयोजित हो रही है, रोहतक की टीम ने सभी शुरुआती मुकाबले जीतकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया, टीम की इस उपलब्धि से रहा उत्साह का माहौल

रोहतक। रोहतक जिले की चेस टीम अपने टीम इंचार्ज के साथ। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। कुश्ती का विजेता खिलाड़ी अपने कोच अमरपाल के साथ। फोटो : हरिभूमि

तीरंदाजी के परिणाम

टीम इंचार्ज डॉ. जनक राज ने बताया कि पहले दिन इंडियन राउंड इवेंट सम्पन्न हुआ, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। परिणाम कल घोषित किए जाएंगे। मंगलवार को दूसरे दिन रिकर्व और कंपाउंड इवेंट आयोजित होंगे, जिनमें सभी आयु वर्ग के लड़के व लड़कियां भाग लेंगे।

चेस (शतरंज) के परिणाम

इंचार्ज पूनम ने बताया कि अंडर-14 और अंडर-17 लड़कियों ने पहले राउंड में जीत दर्ज कर दूसरे राउंड में प्रवेश किया। अंडर-19 आयु वर्ग के मैच ड्रॉ रहे।

ताइक्वांडो के परिणाम

इंचार्ज अशोक के अनुसार अंडर-17 में नैतिक ने 55–59 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। अंडर-19 में 45 किलोग्राम से कम भार वर्ग में रिहान फाइनल राउंड में पहुँच गया है। वहीं अंडर-19 (63–68 किलोग्राम) में अखिल ने शानदार खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल जीतकर रोहतक का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया। शेष मुकाबले कल खेले जाएंगे।

कुश्ती के परिणाम

इंचार्ज अमरपाल ने बताया कि अंडर-14 बालकों में प्रिंस ने 38 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल, शुभम ने 48 किलोग्राम में सिल्वर मेडल, अभी सिंह ने 52 किलोग्राम में ब्रॉन्ज मेडल तथा आयुष ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कल अंडर-17 वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

बैडमिंटन के परिणाम

इंचार्ज ओमपाल (डीपीई) ने जानकारी दी कि अंडर-17 और अंडर-19 लड़कों की टीमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीसरे राउंड में पहुंच गई हैं।

न्यूज डायरी

केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नेत्रदान पर सेमिनार

रोहतक। केवीएम नर्सिंग कॉलेज में नेत्रदान पर एक सेमिनार आयोजित हुआ। इस सेमिनार का उद्देश्य है छात्राओं को नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान करना था। सेमिनार में डॉक्टर दिनेश शर्मा ने नेत्रदान के बारे में बताते हुए कहा कि नेत्रदान महादान है। उन्होंने बताया कि नेत्र का कॉर्निया पार्ट दान किया जाता है और एक कॉर्निया से दो इंसानों की नेत्रों की रोशनी लाई जा सकती है। नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाता है। मृत्यु के बाद 4-6 घंटे तक हमारी आंखें जिंदा रहती है, इस समय में ही नैत्र दान किया सकता है। सेमिनार में बीएससी(नर्सिंग), एएनएम व जीएनएम के सभी छात्रों ने भाग लिया। सेमिनार में डॉक्टर दिनेश शर्मा (रिटायर्ड मुख्य नेत्र अधिकारी), राजेंद्र शर्मा (रिटायर्ड दिल्ली शिक्षा निदेशालय), ज्योति शर्मा (प्रिंसिपल) व कॉलेज का अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

रोहतक। हारट्रोन स्किल सेंटर मान अस्पताल के पास में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल थी। शिविर में विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया तथा नशे से बचाव के उपायों पर जोर दिया गया। यह जानकारी डायरेक्टर मोहित व प्रवीन ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर लोगों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया। युवाओं को ड्रग एडिक्शन के दुष्प्रभाव बताए गए और इससे दूर रहने के उपाय सुझाए गए। स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित भोजन और नियमित व्यायाम पर बल दिया गया। तनाव प्रबंधन एवं मानसिक संतुलन बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की गई।

वार्ड-1 व पुराना बस स्टैंड ग्राउंड में चलाया गया विशेष सफाई अभियान

- बाजार क्षेत्र में डस्टबीन रखने व सिंगल यूज प्लास्टिक न इस्तेमाल के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम शहर में सफाई कार्य के प्रति काफी गंभीर है तथा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 को सफल बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा स्वयं अभियानों में भाग लिया जा रहा है। विशेष अधिकारी (स्वच्छता) प्रदीप कौशिक व संयुक्त आयुक्त मंजीत सिंह निरंतर फिल्ड में कार्य कर रहे हैं। सोमवार नगर निगम वार्ड-1 में वार्ड सदस्य अक्षय के साथ मिलकर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिस दौरान जेपी कालोनी, श्याम कालोनी, सैनिक कालोनी, कुताना बस्ती, सूर्या नगर, शास्त्री नगर इत्यादि कालोनियों में विशेष अभियान चलाकर सफाई करवाई गई। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन एक वार्ड में जनभागीदारी के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। जिस दौरान अतिरिक्त कर्मचारी लगाकर वार्ड की सफाई करवाई जाएगी। जिसमें आमजन, वार्ड सदस्य इत्यादि का भी सहयोग लिया जाएगा।

रोहतक। स्वच्छता अभियान के दौरान सफाई करते कर्मचारी।

वित्तीय समावेशन अभियान के तहत ग्राम स्तर पर शिविर जारी

- 30 सितम्बर तक चलाया जाएगा शहर में सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा प्रभाग द्वारा जारी निर्देश की अनुपालना में वित्तीय समावेशन अभियान के तहत बैंकों एवं पंचायत विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक दिन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के दौरान मौके पर ही 25 जन धन खाते खोलने के साथ विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में 783 पंजीकरण व 115 री-केवाईसी किए गए।

आगामी 30 सितम्बर तक चलने वाले इस अभियान की कड़ी में ग्राम पंचायत मदीना गिंदरान द्वितीय, मोखरा खास, खरकड़ा भिखलान, भराण, शेखुपुर तितरी, अजायब, बहलबा (ब्लॉक महम), कारौर, कसरेंटी, हसनगढ़, खरावड़ (ब्लॉक सांपला) की संबंधित गांवों की चौपालों में शिविरों का आयोजन किया गया। पात्र ग्रामीणों के वित्तीय समावेशन के अंतर्गत चलाई जा रही सभी योजनाओं जैसे- नए खातों का खोलना समस्त निष्क्रिय खातों को दोबारा चालु करना, समस्त रह गए खातों में नामांकन करना, प्रधानमंत्री सुरक्षा एवं जीवन ज्योति बीमा योजनाओं व अटल पेंशन योजना में सभी पात्र ग्रामीणों का मौके पर ही पंजीकरण, डिजिटल धोखाधड़ी की विस्तृत जानकारी दी गई।

डिजिटल युग में साक्षरता संवर्धन विषय पर भाषण प्रतियोगिता

रोहतक। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज़ (एमडीयू–सीपीएएस), गुरुग्राम में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा डिजिटल युग में साक्षरता संवर्धन, विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आधुनिक समय में पारंपरिक साक्षरता के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। राहुल चाहर ने कहा कि साक्षर होना अब केवल किताबें पढ़ने तक सीमित नहीं है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

आरोप: भाजपा के सहयोगी पूर्व सीएम हुड्डा ने राज्यसभा चुनाव में जानबुझ कर करवाए 13 वोट कांग्रेस के रद्द : अभय सिंह चौटाला

- 25 सितंबर को रोहतक में होने वाली ताऊ देवीलाल जयंती पर रैली होगी ऐतिहासिक, कई प्रदेशों के बडे दिगज नेता होगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से भाजपा की सहयोगी रही है और पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा ने जेल जाने के डर से हर बार भाजपा का साथ देकर प्रदेश में सरकार बनवाई है। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में स्याही कांड का भी जिक्र किया और कहा कि सबको पता है कि पूर्व सीएम हुड्डा ने जानबुझ कर भाजपा के उम्मीदवार को बनवाने के लिए कांग्रेस के 13 वोट रद्द करवाए थे। साथ ही विधानसभा चुनाव में भी भाजपा की सरकार बनवाने के लिए हुड्डा ने प्रदेश में 30 ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिलवा दी, जिसमें से 16 सीटों पर सीधा सीधा फायदा भाजपा को करवा दिया।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला।

सैकडों ने इनेलो का थामा दामन

जजपा व कांग्रेस को सोमवार को झटका लगा है। इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जजपा व कांग्रेस के कई नेताओं ने घर वापसी की और पार्टी का दामन थाम लिया।

बीएमयू में एनसीसी प्रथम वर्ष की चयन प्रक्रिया संपन्न

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में प्रथम हरियाणा बटालियन एनसीसी की नई भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस चयन प्रक्रिया का आयोजन बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सुखविंदर सिंह और एडम ऑफिसर कर्नल अमन चौधरी के मार्गदर्शन में किया गया। भर्ती में सूबेदार कैलाश और हवलदार प्रदीप का भी विशेष सहयोग रहा।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों से लगभग 250 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चयन के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण, मानसिक योग्यता मापदंड तथा लिखित परीक्षा आयोजित की गई। कठोर जांच-परख के उपरांत योग्य विद्यार्थियों का चयन किया गया।

ADARSH COLLEGE OF EDUCATION
Adarsh School Of Nursing
MADINA, ROHTAK
Affiliated to Haryana Govt. HNRC & INC
ADMISSION OPEN
LIMITED SEATS
SC/ST को सरकार से 100% फीस छात्रवृति
ANM 2 YEARS | GNM 3 YEARS | JBT 2 YEARS
ELIGIBILITY: 10+2 in any stream with 45% Marks
SC/BC with 40% Marks | AGE LIMIT: 17-35 Years.
Required Nursing Tutors
रोहतक और नजदीक के गांव से बस सुविधा उपलब्ध
Mob.: 8307117069, 9306840763, 9485578148
Email: adarshschoolmadina@gmail.com

hartron ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks)
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks)
24.	Programming with Python	12 (Weeks)
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

S.V. COLLEGE
18 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत
हेल्थकेयर क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका
Courses:- Limited Seats
DMLT | HOSPITAL MANAGEMENT
DOTT | Radio & Medical Imaging Technology
Eligibilty 12th in any Stream
All Para Medical Course
(6 Month Certificate, 2/3 Years Programme)
UNDER UGC & MHRD (Govt. of India) Approved
Online Course
(नौकरी के साथ पढ़ाई)
BA - MA | B. COM - M. COM
BCA - MCA | LLB - LLM
BBA - MBA | & many more...
UGC-अप्रूव्ड कोर्स के साथ काउंसिलिंग रजिस्ट्रेशन भी करवाया जाता हैं।
Jind Hissar Bypass Railway Bridge, (Nehru Colony) Rohtak -124001
98126-69100, 94665-10173

खबर संक्षेप

बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के 2 ट्रक रवाना

रोहतक। पंजाब के गुरदासपुर जिला के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के दो ट्रक भेजे गए। जिला विकास भवन परिसर से रवाना की गई राहत सामग्री में जीवन-यापन की सभी आवश्यक वस्तुएं शामिल की गई हैं। दोनों ट्रकों में 1100 किट में कुल 24200 आईटम है, 5 हजार चाय पत्ती पैकेट, 2600 नूडल्स पैकेट, विभिन्न प्रकार की नमकीन, कम्बल, दवाइयां, आटा, सभी दालें, सभी मसाले, नूडल्स, बिस्कुट, रस, मोमबती, माचिस, चावल, तेल, साबुन, टूथपेस्ट, सूखा दूध पाउडर शामिल हैं।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए रिटायर्ड कर्मचारी

रोहतक। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान जगपाल सांगवान ने कहा कि पंजाब, हरियाणा में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए सहायता करेगा तथा सहायता राशि इक्ट्ठा करके राज्य कमेटी को भेजेगें। राज्य कमेटी सभी जिलों से इक्ट्ठे हुए पैसो को बाढ़ राहत कोष में जमा करवायेगी। इस संदर्भ में बुलाई गई जिला कमेटी की आपात बैठक को सम्बोधित करते हुए सांगवान ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी अपनी मांगों के लिए संघर्ष करते है वहीं सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

नैनोकैटालिसिस पर विस्तार व्याख्यान

रोहतक। मदवि के रसायन शास्त्र विभाग में आयोजित विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रो. राजेंद्र एस वर्मा (फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ साओ कार्लोस, ब्राज़ील एवं वेस्टन, फ्लोरिडा, अमेरिका) ने "ग्रीननेस्स ऑफ़ थिंग्स एंड सस्टेनेबिलिटीः डिफाइनिंग द सर्कुलर इकॉनमी वाया नैनोकटैलिसीस" विषय पर मुख्य व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रो. आरसी कुहाड़ ने छात्रों से किया संवाद

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में एमएससी माइक्रोबायोलॉजी एवं माइक्रोबियल बायोटेक्नोलॉजी के नव प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के लिए परिचय व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पूर्व कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ रहे।

मोटर चलवाने की मांग को लेकर एसडीएम से मिले बहलबा के किसान

खेतों से पानी निकासी का काम ठप

महम ड्रेन पर तीन दिन से बंद पड़ी हैं पानी निकासी की मोटरें

पानी निकासी की मोटरें चलवाने की मांग को लेकर सोमवार को बहलबा गांव के किसान पूर्व सरपंच मनोज अहलावत की अगुवाई में एसडीएम मुकुंद तंवर से मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम ड्रेन पर खेतों के पानी निकासी के लिए बनाए गए स्थाई पंप हाऊस पिछले तीन दिन से बंद पड़े हैं। खेतों से पानी की निकासी नहीं हो रही। बारिश की वजह से खेतों में पानी का स्तर बढ़ रहा है। पानी निकासी न होने से किसान बहुत अधिक परेशान हैं। किसानों ने सोचा था कि धान की फसल तो पानी से बर्बाद हो गई। यदि जल्द खेत से पानी की निकासी हो जाए, तो गेहूं की बिजाई समय पर हो जाएगी। लेकिन फिलहाल किसानों की यह उम्मीद दम तोड़ती नजर आ रही है। क्योंकि पानी निकासी के पंप तीन रोज से बंद पड़े हैं। किसान अपने स्तर पर पानी की निकासी शुरू न कर दें, इसके लिए पंप हाऊस की मोटरों के तार काट दिए गए हैं। पानी निकासी की मोटरें चलवाने की मांग को लेकर सोमवार को बहलबा गांव के किसान पूर्व सरपंच मनोज अहलावत की अगुवाई में एसडीएम मुकुंद तंवर से मिले। एसडीएम ने तहसीलदार को मौके पर भेजकर स्थिति के बारे में रिपोर्ट ली है। किसानों को आश्वासन दिया है कि खेतों से पानी की निकासी में किसी तरह की ढिलाई नहीं होने दी जाएगी। बहलबा गांव के सरपंच कुलदीप राठी ने बताया कि सिंचाई विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि पहले बस्तियों का पानी ड्रेन में डाला जा रहा है। बस्तियों का पानी निकलने के बाद खेतों का पानी उतारा जाएगा। सरपंच ने बताया कि पानी निकासी का काम ठप हो जाने से किसानों में प्रशासन के प्रति काफी रोष बना हुआ है। जल्द ही पानी निकासी के पंप सैट चलाए जाने चाहिएं, ताकि समय पर गेहूं व चारे आदि फसलों की बिजाई समय पर पूरी हो सके। बरसाती पानी खेतों में अधिक समय तक खड़ा रहने से बीमारियां फैलने का भी खतरा बना हुआ है।

महम। महम ड्रेन पर बहलबा गांव के रकबे में आरडी 86000 पर ठप पड़ा बरसाती पानी निकासी का काम।

आरडी 86000 पंप हाऊस पर बंद पड़े हैं तीनों पंप

हरिभूमि संवाददाता ने सोमवार दोपहर को एनएच 9 के पुल के पास बहलबा गांव के रकबे में बनाए गए आरडी 86000 पंप हाऊस का दौरा किया तो वहां पर तीनों पंप बंद पड़े थे। यह पंप हाऊस सिंचाई विभाग द्वारा बनाया गया है।

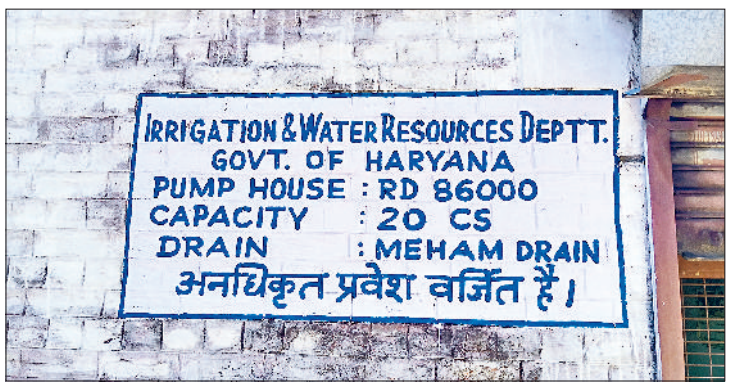

जल निकासी, निगरानी व समीक्षा के लिए उपमंडल स्तर पर समिति गठित

- समिति संयुक्त रूप से संबंधित विभागों के साथ तालमेल कर करेगी कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने उपमंडल स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित करने के आदेश जारी किए है, जिसमें संबंधित एसडीओ (सिंचाई) और संबंधित बी.डी.पी.ओ. सदस्य होंगे। यह समिति संयुक्त रूप से जल निकासी कार्यों की योजना, निगरानी एवं समीक्षा करेगी। साथ ही नुकसान की पहचान, मूलभूत सुविधाओं की बहाली और विभागों व हितधारकों के साथ समन्वय भी सुनिश्चित करेगी। सभी अधिकारी इस कार्य को प्राथमिकता से लें तथा सख्त अनुपालना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त सचिन गुप्ता

सचिन गुप्ता द्वारा जारी आदेश के तहत उपमंडल स्तरीय समिति के कार्यों में सिंचाई विभाग और पंचायत विभाग के साथ संयुक्त समन्वय कर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार प्रभावी जल निकासी करना, परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाना, जिसमें सभी संबंधित हितधारक जैसे- विभाग, पंचायतें, स्थानीय प्रतिनिधि और समुदाय के सदस्य आदि शामिल हों ताकि प्रभावी एवं स्थानीय रूप से उपयुक्त उपाय किए जा सकें। संबंधित विभागों को सक्रिय कर मौके पर आंकलन करना और यह सुनिश्चित करना कि पंप, नालियां और जनशक्ति सही तरीके से काम कर रहे हों, ताकि समय पर जमा पानी की निकासी हो सके। उपायुक्त सचिन गुप्ता द्वारा जारी आदेश के तहत सिंचाई विभाग नालियों के स्तर के अनुसार कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उनकी मजबूती और निरंतरता बनी रहे, ताकि बहाव और निकासी में कोई बाधा न हो और मुख्य नालियां न भरें। किसी भी प्रकार के प्रतिरोध या बाधा की स्थिति में, अंतिम उपाय के रूप में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जा सकते हैं और कार्यों को निर्बाध रूप से निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया जा सकता है।

एमडीयू के लॉ विभाग में विधिक सहायता प्रकोष्ठ बारे दी जानकारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के विधि विभाग में विधिक सहायता प्रकोष्ठ द्वारा ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विधिक सहायता प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों तथा भविष्य की गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. जितेंद्र सिंह दुल ने की। उन्होंने कहा कि विधिक सहायता समाज के वंचित वर्गों को न्याय दिलाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे विधिक सहायता के माध्यम से न केवल समाज सेवा करें, बल्कि अपने व्यावहारिक ज्ञान को भी सुदृढ़ बनाएं। विधिक सहायता प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सत्यपाल ने विधिक सहायता की सैद्धांतिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला। डॉ. प्रदीप लाकड़ा ने भारतीय विधि व्यवस्था में विधिक सहायता संबंधी संवैधानिक प्रावधानों की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि न्याय की वास्तविक स्थापना तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक वर्ग विधिक अधिकारों से परिचित होकर उनका लाभ उठाए।

श्री एलएन हिन्दू कॉलेज के एनएसएस स्वयंसेवकों का लखीराम आश्रम दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

श्री एलएन हिन्दू कॉलेज एनएसएस इकाई के लगभग 45 स्वयंसेवकों ने प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रजनी कुमारी एवं डॉ. परवीन शर्मा के नेतृत्व में लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम का दौरा किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल तनेजा के संरक्षण एवं अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। स्वयंसेवकों ने आश्रम में रह रहे बच्चों से मुलाकात कर उनके साथ समय व्यतीत किया और अनुभव साझा किए।

इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने मानवीय मूल्यों, समाज सेवा तथा सेवा ही सर्वोपरि के महत्व पर विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों ने आश्रम परिसर में सफाई अभियान चलाया और नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वास्थ्य जागरूकता जैसे सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। प्राचार्य डॉ. अनिल तनेजा ने स्वयंसेवकों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने आश्रम प्रबंधन के संदीप, जयवीर, सन्नी एवं अजीत शास्त्री का आभार व्यक्त किया। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रजनी कुमारी एवं डॉ. परवीन शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की यात्राएं न केवल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को गहराई प्रदान करती हैं बल्कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी और प्रबल करती हैं।

यूआईईटी में मशीन लर्निंग एवं एआई पर संगोष्ठी

- कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मशीन लर्निंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यूजिंग मैटलब विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।

यूआईईटी निदेशक प्रो. अश्वनी ढींगड़ा ने कार्यशाला के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दी और इसे विद्यार्थियों के लिए अहम बताया। इस कार्यशाला की संयोजिका डॉ. नेहा खुराना ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। डॉ. कल्पना चौहान, सीयूएच महेन्द्रगढ़ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और इलेक्ट्रिक वाहनों की भूमिका पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. सपना गर्ग

डॉ. राजेश कुमार, पीआईईएमआर कॉलेज ने मैटलब के माध्यम से एआई एवं एमएल में उपयोग की जाने वाली तकनीकों का प्रदर्शन किया। यूआईईटी की अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मनजीत कौर ने पर्सनैलिटी डिवेलपमेंट एवं काउंसलिंग पर अत्यंत प्रेरणादायक सत्र लिया। वहीं डॉ. गुरदयाल सिंह ने मैटलब की तकनीकी विशेषताओं पर उपयोगी जानकारी साझा की।

डॉ. सपना गर्ग, डीन स्टूडेंट वेलफेयर; प्रो. विनीता हूड्डा, डीन सीडीसी, प्रो. सोनिया कपूर, डीन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी तथा प्रो. युद्धवीर सिंह, सीएसई विभाग विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षकों डॉ. गुरदयाल सिंह, डॉ. विपिन कुमार, डॉ. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. कविता हुड्डा, डॉ. ईशा, सुमित मोर, पिंकी तथा कविता ने कार्यशाला समन्वयन में सहयोग किया। मंच संचालन आजरिएल एवं निशा द्वारा किया गया। छात्र समन्वयक शाश्वत ठाकुर, रजत संधू, कीर्ति वर्धन, दीपांशु, आर्यन, नैंसी, अंजली एवं नीतिज्ञ ने पूरे आयोजन को सुचारू रूप से सम्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस संगोष्ठी में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और तकनीकी एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

बाढ़ निकासी समस्या को लेकर किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल एडीसी से मिला

रोहतक। अखिल भारतीय किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को बाढ़ के पानी की निकासी को लेकर एडीसी से मिला। किसानों ने महम-बंसी ड्रेन और आसपास के गांव खरक जाटान, बैसी, निंदाना तथा भरान में पानी निकासी की गंभीर समस्याएं उठाईं। किसानों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए बताया कि 55 करोड़ रुपये की अलॉटमेंट के बावजूद ड्रेन का कार्य अधूरा और घटिया स्तर का है। प्रतिनिधियों ने कहा कि बंसी गांव में बनाई गई पाइपलाइन जगह-जगह से टूटी हुई है, वहीं शूटर कम पंप हाउस पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा है। अस्थायी मोटर पंप भी अब बंद है और 6 सितंबर को बिजली कनेक्शन भी काट दिया गया।

प्रशासन जल निकासी कार्य में जुटा ग्रामीण न करें चिंता: डॉ अशोक रंगा

कलानौर। रात में भाली आनंदपुर में पानी निकासी का निरीक्षण करते हुए डॉ अशोक।

कलानौर। भाजपा सभी प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी व जिला परिवेदना समिति सदस्य डॉ अशोक कुमार रंगा ने कलानौर विधानसभा क्षेत्र के गांव माडोधी, भाली आनंदपुर तथा मसूदपुर का जायजा लिया।

उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि जहां भी जलभराव है, निकासी के लिए पम्प सेट चाहिए, बिजली कनैक्शन चाहिए वहां सम्बंधित विभाग तत्परता से कार्रवाई कर रहा है। प्राकृतिक आपदा के चलते व समस्या की अधिकता के कारण व्यवस्था में कुछ समय लग सकता है मगर सरकार व प्रशासन मुस्तैदी से कार्य में लगे हुए हैं।

प्रशासन द्वारा माडोधी व बनियानी के खेतों के पानी की निकासी के लिए ड्रेन नम्बर आठ पर नया बिजली ट्रांसफार्मर लगा कर पानी निकासी का कार्य आरम्भ कर दिया गया है।

एमडीयू के अंग्रेजी विभाग में मीडिया साक्षरता पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

आज के डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता समय की जरूरत है। मीडिया टूल्स को सही प्रकार पहचानना, मीडिया संदेशों एवं समाचार का उचित विश्लेषण करना, उनका मूल्यांकन करना, तथा उपयुक्त मीडिया कंटेंट क्रिएट करना मीडिया साक्षरता के लिए जरूरी है। बिना सोचे समझे, बिना तथ्यात्मक जांच के विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट फार्वड करने से परहेज करने का आह्वान करते हुए प्रतिष्ठित मीडिया विशेषज्ञ तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक सुनित मुखर्जी ने सोमवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में विशेष व्याख्यान में दिया। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष व्याख्यान में मीडिया विशेषज्ञ सुनित मुखर्जी ने-डोंट शेयर विद आउट फैक्ट चेक का मंत्र विद्यार्थियों को दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के इतिहास तथा महत्व एवं मीडिया साक्षरता के महत्व पर व्याख्यान दिया। इस इंटरैक्टिव सत्र में सुनित मुखर्जी ने विद्यार्थियों को विविध फेक न्यूज उदाहरण तथा वास्तविक जीवन में, समाज में फेक न्यूज के कुप्रभाव बारे विस्तृत जानकारी दी।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक सुनित मुखर्जी।

एलबीएस स्कूल ने सीबीएसई नेशनल गेम्स में जीते रजत

रोहतक। एलबीएस स्कूल काहनौर ने गांधीनगर में आयोजित सीबीएसई नेशनल गेम्स में आयु वर्ग-14 में रजत पदक जीतकर विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। इससे पहले विद्यालय की छात्राओं ने खो-खो गर्ल्स व कबड्डी गर्ल्स प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक भी हासिल किए थे। विजेता टीम के अभिभावकों ने बच्चों का भव्य स्वागत कर सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन और पूरा स्टाफ भी मौजूद रहा। विद्यालय के अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. वीरेंद्र पाल ने बच्चों को प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल डायरेक्टर मनोज पुनिया व दिनेश पूनिया ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधानाचार्या रितु सिंधु तथा कोच परमिला और रोहित ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर उन्हें और ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास जारी रहेंगे और आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

शंभू नाथ गौतम ने आईएचएम रोहतक के प्राचार्य का पदभार संभाला

रोहतक। तिलियार स्थित होटल प्रबंधन संस्थान में शंभू नाथ गौतम ने सोमवार को प्राचार्य का पदभार संभाल लिया है। यह जानकारी देते हुए संस्थान के व्याख्याता विकास देशवाल ने बताया कि इस अवसर पर संस्थान के समस्त स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शंभू नाथ गौतम की शैक्षिक पृष्ठभूमि अत्यंत प्रभावशाली है, जिन्होंने होटल प्रबंधन संस्थान, दिल्ली पूसा से अपनी शिक्षा प्राप्त की है इसके अतिरिक्त, उन्होंने मानव संसाधन प्रबंधन में स्नातकोत्तर में गोल्ड मेडल हासिल किया है। उनका पेशेवर अनुभव भी उतना ही समृद्ध है, जिन्होंने फूड क्राफ्ट संस्थान, अजमेर से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में होटल प्रबंधन संस्थान, सवाई माधोपुर और फूड क्राफ्ट संस्थान, खजुराहो में प्राचार्य के रूप में 8 वर्षों तक सफलतापूर्वक कार्य किया। वर्तमान में, वे पर्यटन प्रबंधन में पीएचडी भी कर रहे हैं और उन्होंने कई पुस्तकें और शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। उनके नेतृत्व में, आईएचएम रोहतक निश्चित रूप से देश के अग्रणी होटल प्रबंधन संस्थानों में से एक बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

महम खंड के गांवों का दौरा कर सीजेएम ने लिया जायजा

प्रभावित गांवों को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पहुंचाएगा मदद

- सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने महम खंड के गांवों सैमाण, फरमाणा खास एवं भैणी सुरजन का दौरा किया तथा मौजूदा स्थिति का अवलोकन किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की हिदायतों तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में सीजेएम व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ.तरन्नुम खान ने महम के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मुकुल दहिया के साथ महम खंड के गांवों का दौरा किया। उन्होंने दौरे के दौरान ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्राधिकरण व जिला प्रशासन द्वारा लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं व उचित सहायता पहुंचाई जाएगी। सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने महम खंड के गांवों सैमाण, फरमाणा खास एवं भैणी सुरजन का दौरा किया तथा मौजूदा स्थिति का अवलोकन किया।

उन्होंने इन गांवों के लोगों से उनकी आवश्यकताओं के संबंध में बातचीत की तथा उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें उचित सहायता, राहत एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। साथ ही उन्हें ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल के बारे में भी अवगत कराया गया, जो 15 सितम्बर तक खुला रहेगा। संबंधित गांवों के सरपंच भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

सहायता के लिए 15100 पर करें फोन

महम। खंड महम के एक गांव में जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए सीजेएम।

सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई भी सहायता चाहिए तो उसके लिए नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर फोन करके मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय के दूरभाष नंबर 01262-257408 पर फोन करके भी मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है।